शेंदुर लाल चढ़ायो आरती

शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुख को।
दौंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहर को।
हाथ लिए गुड़लड्डू सांई सुरवर को।
महिमा कहे न जाय लागत हूं पद को॥
॥ जय देव जय देव ॥

जय जय श्री गणराज विद्या सुखदाता।
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मन रमता॥
॥ जय देव जय देव ॥

अष्टौ सिद्धि दासी संकटको बैरि।
विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी।
कोटीसूरजप्रकाश ऐबी छबि तेरी।
गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारि॥
॥ जय देव जय देव ॥

जय जय श्री गणराज विद्या सुखदाता।
धन्य तुम्हारा दर्शन मेरा मन रमता॥
॥ जय देव जय देव ॥

भावभगत से कोई शरणागत आवे।
संतति संपत्ति सबहि भरपूर पावे।
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे।

गोसावीनंदन निशिदिन गुण गावे॥
॥ जय देव जय देव॥

जय जय श्री गणराज विद्या सुखदाता।
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मन रमता॥
॥ जय देव जय देव ॥

[1]

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल